भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार
और इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रीय अभिलेखागार (एएनआरई)
के बीच
संयुक्त नामांकन के लिए
आशय पत्र

1. पक्ष

संयुक्त नामांकन के लिए इस आशय पत्र हेतु पक्ष निम्नलिखित हैं

- राष्ट्रीय अभिलेखागार, का इसके बाद "एनएआई" के रूप में संदर्भ आया है
- एर्सिप नेशनल रिपब्लिक इंडोनेशिया, इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रीय अभिलेखागार का इसके बाद " एएनआरई " के रूप में संदर्भ आया है

2. **उद्देश**

2.1. दोनों पक्षों का मानना है कि:

क) **विशिष्ट:** 1955 के एशिया अफ्रीका सम्मेलन युद्ध के बाद कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध के इतिहास में यह एक अनोखी घटना थी, इसके बाद " एएसी " के रूप में संदर्भ आया है। यह पहली बार था जब नए स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी राज्य एक आंदोलन में एक साथ शामिल हो गए जिससे अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में तीसरे शक्ति का विकास हुआ- एक अमेरिका के तत्काल दायरे और नियंत्रण के बाहर; तथा दूसरे सोवियत वर्चस्व वाले गुट - यानी, साम्यवादी गुट के खिलाफ पश्चिमी "मुक्त-दुनिया" सहयोगी राष्ट्र।

ख) **विश्व के लिए महत्वपूर्ण:** इसका विश्व के दृष्टिकोण से महत्व वास्तव में एएसी के माध्यम से इस तीसरी शक्ति का निर्माण था, नए स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों को अपनी स्वतंत्रता के बाद के इतिहास में पहली बार अपनी आवाज प्राप्त हुई थी और इसकी पहल चार प्रारंभिक प्रायोजक देशों (इंडोनेशिया, भारत, पाकिस्तान और बर्मा) के साथ बांडुंग में शुरू हुई थी जिसने छह साल (1961) के बाद में गैर-गठबंधन आंदोलन (एनएएम) को जन्म दिया जिसमें बांडुंग सम्मेलन के संस्थापक पिता-सुकामो, नेहरू, यू एन के साथ मिलकर , सर जॉन कोटवाला (श्रीलंक), मोहम्मद अली (पाकिस्तान), प्रमुख भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़े। एएसी और एनएएम दोनों ने युद्ध के बाद की राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का चेहरा बदल दिया।

ग) **इस तरह का केवल एक ही:** वास्तव में एएसी अद्वितीय था- यह इस तरह का एकमात्र था- ऐसा कोई अन्य बांडुंग सम्मेलन नहीं था, लेकिन यह एनएएम लॉन्च करने के लिए पर्याप्त था जिसने गैर-गठबंधन तीसरी दुनिया को आवाज देकर शीत युद्ध युग का चेहरा बदल दिया।

2.2 **दोनों ही पक्षों को:**

क) संरक्षित होने के लिए एएसी अभिलेखागार के महत्व को पहचानें और यह राय है कि अभिलेखागार को दुनिया की स्मृति में पंजीकृत किया जाना चाहिए, इसके बाद एमओडब्ल्यू के रूप में संदर्भ आया है, यूनेस्को इंटरनेशनल रजिस्टर यह सुनिश्चित करने के लिए पंजीकृत है कि इस ऐतिहासिक सम्मेलन का रिकॉर्ड भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित है, और युद्ध के बाद के प्रमुख एशियाई और अफ्रीकी देशों की प्रमुख भूमिका के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए पश्चिमी और साम्यवादी गुट के बाहर एक तीसरी शक्ति विकसित करनी होगी।

ख) अंतरराष्ट्रीय स्क्रीनिंग समिति के माध्यम से 2015 में एमओडब्ल्यू, यूनेस्को में एसीसी अभिलेखागार को शामिल करने के लिए संयुक्त नामांकन प्रस्तुत करना है।

उद्देश्यों:

2.3 इस आशय पत्र का उद्देश्य है कि यूनेस्को की दिशा-निर्देश के मुताबिक यूनेस्को की दुनिया की स्मृति के रजिस्टर में पंजीकृत होने के लिए एएसी अभिलेखागारों को नामांकित करने में एएनआरआई के साथ सहयोग करें

2.4 यूनेस्को के दिशानिर्देशों के अनुसार, एनएआई इसके साथ सह-नामांकित होने के लिए सहमत हो गया है और यूनेस्को को एनएआई के एएसी के अपने अभिलेखागार के पंजीकरण के लिए प्रस्तुत करेगा।

2.5 इस वर्ष (2015) के भीतर जितनी जल्दी हो सके यूनेस्को को राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा सह-नामांकन प्रस्तुत किया जाएगा।

2.6 राष्ट्रीय अभिलेखागार को इस महान प्रयास का हिस्सा बनने और दो राष्ट्रीय अभिलेखागारों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर गर्व है।

2.7 यह आशय पत्र दो मूल में है, और दोनों पक्षों में एक मूल पाठ होगा।

के लिए और की ओर से हस्ताक्षर किए:

राष्ट्रीय अभिलेखागार

श्रेया गुहा
महानिदेशक, अभिलेखागार

तिथि: 13/02/2015

एर्सिप नैशनल गणराज्य इंडोनेशिया,
इंडोनेशिया गणराज्य के राष्ट्रीय अभिलेखागार

रिज़ाली विल्मर इंद्रकेसुमा
इंडोनेशिया गणराज्य के राजदूत

तिथि: 13/02/2015